UP PCS-J (Mains) 2018

Hindi · compulsory paper

From the Language paper (Time Allowed: Three Hours. Maximum Marks: 200; printed as one paper in Hindi and English). Questions 3 and 4 (translation); questions 1 and 2 appear under English Language.

3. Translate the following passage into English: 40 Marks

प्राचीनकाल में विक्रमादित्य नाम का राजा इस देश में राज्य करता था। वह बड़ा न्यायी राजा था। आज भी लोग उसके न्याय की प्रशंसा करते हैं। एक दिन कुछ लड़के एक गाँव के निकट जंगल में खेल रहे थे। वहाँ उन्होंने एक मिट्टी का ढेर देखा जो एक पत्थर से ढका हुआ था। उनमें से एक लड़का उस पत्थर पर बैठ गया। उसने अपने साथियों को बुलाया और कहा, "मित्रों ! आज मैं राजा विक्रमादित्य हो गया हूँ। तुमलोग अपने मुकदमे मेरे पास ले आओ मैं न्याय करुँगा।" उस लड़के ने अपने साथियों के मुकदमों का निर्णय किया। उसके निर्णय इतने अच्छे थे कि यह कहानी दूर-दूर तक फैल गयी। जो झगड़ा करते थे उस लड़के के पास आते थे। प्रत्येक व्यक्ति उस लड़के के न्याय से संतुष्ट होता था। जब वह मिट्टी का ढेर खोदा गया, लोगों को मालूम हुआ कि सचमुच वह राजा विक्रमादित्य के बैठने का स्थान था।

4. Translate the following passage into Hindi: 40 Marks

Even during the brief span of our lives we have seen these two forces at play in India and the world at large—the forces of constructive and creative effort and the forces of destruction. Which will triumph in the end? And on which side do we stand? That is a vital question for each one of us, and, more especially, for those from whom the leaders of the nation will be drawn, and on whom the burden of tomorrow will fall. We dare not sit on the fence and refuse to face the issue. We dare not allow our minds to be befuddled by passion and hatred when clear thought and effective action are necessary.